

संख्या-595/XIV-1/11-6(10)/2010

प्रेषक,

वीरेन्द्र पाल सिंह
उपसचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. निबन्धक
सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
2. प्रबन्ध निदेशक
उत्तराखण्ड राज्य सहकारी बैंक
हल्द्वानी।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग:-1 देहरादून: दिनांक: 1 मार्च, 2011
विषय- बैंको को सी0बी0एस0 कम्प्यूटरीकरण हेतु सहकारिता विभाग, उत्तराखण्ड
शासन एवं एन0आई0सी0 के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला आयोजन के
सम्बन्ध में।

बहोदय,

उपर्युक्त विषयक के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य में पारदर्शी एवं नागरिकोन्मुखी विकास को शीर्ष प्राथमिकता के उद्देश्य को पूर्ण किये जाने की दिशा में राज्य के सहकारी बैंको की महत्वपूर्ण भूमिका एवं विशेष योगदान राज्य के जिला/ब्लाक/ग्राम स्तर के बैंक लाभार्थियों को उच्च स्तर की बैंक/आर्थिक सेवाओं को जनसाधारण तक पहुँचाने हेतु उत्तराखण्ड सरकार की ओर से एन0आई0सी0 को उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

इस सम्बन्ध में 08 अप्रैल, 2011 को प्रातः 10.00 बजे होटल अकेता राजपुर रोड देहरादून में कार्यशाला का शुभारम्भ मा0 मंत्री जी द्वारा किया जा रहा है। समस्त बैंको से दो अधिकारियों को नामित कर उनकी प्रतिभागिता सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय

(वीरेन्द्र पाल सिंह)
उपसचिव।

पुष्पांकन संख्या-595(1)/XIV-1/2011 तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव मा0 सहकारिता मंत्री उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, एफ0आर0डी0सी0, उत्तराखण्ड शासन।
4. डी0जी0, एन0आई0सी0 दिल्ली।
5. स्टेट आफिसर, एन0आई0सी0 राबिवालय परिसर, देहरादून।
6. निजी सचिव-सचिव, सहकारिता, उत्तराखण्ड शासन।
7. समस्त सचिव, जिला सहकारी बैंक, उत्तराखण्ड।
8. प्रभारी अपर निबन्धक, सहकारी समितियां उत्तराखण्ड।

आज्ञा से,

(वीरेन्द्र पाल सिंह)
उप सचिव।